तैयारी | मैगनेट' के रूप मे काम करेंगे ये विशेष क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक सामान, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मा उद्योग लगेंगे

चार विशेष क्षेत्रों के जरिए 15 जिलों में निवेश

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित चार विशेष निवेश क्षेत्र 'मैगनेट' के रूप में काम करेंगे। इसके जरिए 15 जिलों में निवेश, उद्योग, कारोबार व रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इसमें नोएडा से लेकर प्रयागराज, लखनऊ, व वाराणसी तक शामिल हैं।

इन चारों विशेष निवेश क्षेत्र के लिए 1.20 लाख एकड़ जमीन की जरूरत है। यह जमीन चिन्हित कर ली गई है। झांसी में तो 35 हजार एकड़ जमीन अधिग्रहीत हो गई। यूपी के चारों भौगोलिक क्षेत्र में बनने वाले विशेष निवेश क्षेत्र बड़े आकार के ऐसे इंडस्ट्रियल कलस्टर बनेंगे, जहां बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अपने बड़े प्रोजेक्ट के लिए एक साथ ज्यादा जमीन की जरूरत है। अभी तक दूसरे राज्यों का रुख करने वाली ऐसी कंपनियों को यूपी के चारों हिस्सों में कहीं भी अपना बड़े क्षेत्र में प्रोजेक्ट लगाने का विकल्प मिलेगा।

इसलिए हर निवेश क्षेत्र में एक पार्क करीब 300 एकड़ क्षेत्रफल का होगा। इसमें 25 प्रतिशत पार्क 50 एकड़ क्षेत्रफल होंगे। यहां इंफ्रास्ट्रक्चर की ऐसी विश्वस्तरीय सुविधाएं मुहैया होंगी।

हाल में अलीगढ़, उन्नाव, प्रयागराज व झांसी में विशेष निवेश क्षेत्र बनाने के लिए योगी सरकार ने इस परियोजना को मंजूरी दी थी। अब उत्तर प्रदेश निर्माण क्षेत्र एक्ट 2024 से संबंधित नियमावली भी जल्द लागू होगी। इलेक्ट्रानिक्स सामान, आईटी, रसायन व खाद्य प्रसंस्करणएयरोस्पेस, फार्मा, डिफेंस, टेक्सटाइल, रसायन, इलेक्ट्रानिक्स, टेक्सटाइल, मेडिकल डिवाइस निर्माण जैसे उद्योग लगेंगे।

- नोएडा, प्रयागराज, लखनऊ व वाराणसी शामिल
- निवेश क्षेत्र के लिए 1.20 लाख एकड़ जमीन चाहिए

विशेष निवेश क्षेत्र की योजना

पश्चिमांचल - अलीगढ़
30 हजार एकड़ क्षेत्रफल (गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद व मेरठ)

बुंदेलखंड- झांसी
40 हजार एकड़ क्षेत्रफल (झांसी व जालौन)

मध्यांचल -उन्नाव
20 हजार एकड़ क्षेत्रफल (लखनऊ, कानपुर, हरदोई व बाराबंकी)

पूर्वांचल-प्रयागराज
30 हजार एकड़ क्षेत्रफल (चित्रकूट, वाराणसी, मिर्जापुर)